अत्यंत गोपनीय केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

अंक-योजना

विषय- हिंदी

कक्षा – दसवीं

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।
2. योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय कृपया दिए गए उतरों को समझे, भले ही उत्तर मार्किंग स्कीम में न हो, छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए।
3. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मान बिंदु होते हैं। ये केवल दिशा-निर्देशों की प्रकृति के हैंऔर पूर्ण नहीं हैं। यदि परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार नियत अंक दिए जाने चाहिए।
4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उतर पर गलत का (×) मूल्यांकनकर्ता द्वारा ये चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए।
5. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायी ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायाँ और के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृतकियाजाए।
7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उन्हें ही स्वीकार करे, उन्हीं पर अंक है।
8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर हर बार अंक न काटे जाएँ।
9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में पूर्ण अंक पैमाना 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

   ये सुनिश्चित करें कि उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण के अंकों के साथ मिलान हो।
10. आवरण पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का योग जाँच लें ।
11. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँऔर शून्य (0) अंक दें।
12. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकनसमिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

    उपर्युक्त मूल्यांकन निर्देश उत्तर-पुस्तिकाओं की जाँच हेतु आदेश नहीं अपितु केवल निर्देश हैं। यदि इन मूल्यांकन निर्देशों में किसी प्रकार की त्रुटि हो, किसी प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, अंक योजना में दिए गए उत्तर से अतिरिक्त कोई और भी उत्तर सही हो, तो परीक्षक अपने विवेकानुसार उस प्रश्न का मूल्यांकनकरे।

अंक-योजना

विषय- हिंदी

कक्षा – दसवीं

कोड-**A**

कक्षा : दसवीं अधिकतम अंक 80

सामान्य निर्देश :-

1. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकनको अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
2. वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है बल्कि ये सुझावात्मक एवम् सांकेतिक हैं।
3. यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न , किन्तु उपयुक्त उत्तर है, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
4. मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

खंड -क

प्रश्न- संख्या उत्तर अंक विभाजन

प्रश्न-1 व्याकरण एवम् रचना पर आधारित प्रश्नों के उत्तर : 1x7=7

क. iv. तत्पुरुष समास
ख. ii. वृद्धि संधि
ग. i. कोयल
घ. ii. स्फूर्ति
ड. iii. ना
च. i. आई
छ. ii.बहुत शोर करना

प्रश्न 2 निम्नलिखित प्रश्नों के यथानिर्दिष्ट उत्तरदीजिए। 2x4=8 अंक

क) दोहा एक अर्धसममात्रिक छंद है इसमें चार चरण होते हैं।इसके पहले ओर तीसरे चरण में 13-13 मात्राएं तथा दूसरे और चौथे चरण में ग्यारह -ग्यारह मात्राएं होती हैं ।
जैसे : करत करत अभ्यास ते
जड़मतिहोत सुजान रसरी आवत जात ते सिल पर परत निसान

ख) एक से अधिक वर्णों के मिलने से जो सार्थक वर्ण-समूह बनता है वह शब्द कहलाता हैं। जैसे- सोहन, खीर, मीरा, खेलता। जब किसी भी प्रकार का सार्थक शब्द वाक्य में प्रयुक्त होता है तब वह पद कहलाता है।

ग) जहां किसी व्यक्ति या वस्तु की लोक प्रसिद्ध व्यक्ति या वस्तु से तुलना की जाती है वहां

उपमा अलंकार होता है। जैसे हाय! फूल सी कोमल बच्ची हुई राख की थी ढेरी।
घ) विकारी शब्द : जिन शब्दों में लिंग,वचन, कारक, काल, वाच्य आदि के कारण रूप-परिवर्तन होता है। वे विकारी शब्द कहलाते हैं।
जैसे:- संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण आदि।

प्रश्न- 3 किसी एक विषय पर निबंध **5 अंक**

क) भूमिका 1
ख) विस्तार + निर्धारित शब्द सीमा 3
ग) उपसंहार 1

प्रश्न- 4 पत्र लेखन **5 अंक**

क) आरंभ और अंत की औपचारिकताएं 1
ख) विषय वस्तु 3
ग) भाषा 1

खंड - ख (क्षितिज काव्य खंड)

प्रश्न- 5 बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर **6 अंक**

क iv. पूजा
1
ख i. परशुराम
1
ग ii. शेफालिका
1
घ ii. सब
1
ङ. Iii i. हवा की थिरकन
1
च i. बचपन
1

प्रश्न- 6 काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर **(5)**

i. कवि – सूरदास , कविता – सूरदास के पद 1
ii.प्रस्तुत पद हिंदी की पाठ्य पुस्तक क्षितिज भाग- 2 में संकलित एवं सूरदास के पदों से लिया गया है।
1
iii.योग का संदेश देना
1
iv.विरहनी विरह
1
v. कृष्ण के लौटकर आने की। 1

प्रश्न- 7 काव्य-सौंदर्य-
(3)
(i) भाव सौंदर्य 1½
(ii) शिल्प सौंदर्य 1½
भाव -यहां कवि स्पष्ट करता है कि परशुराम को महान योद्धा कहकर फूंक से पहाड़ उड़ाने की बात कही है।
शिल्प -भाषा - अवधी
छंद - दोहा
अलंकार -अतिशयोक्ति अलंकार
व्यंजना- शब्द शक्ति
वीर रस, ओज गुणका प्रयोग हुआ है।

प्रश्न- 8 प्रश्नों के उत्तर 3+3= 6 अंक

(क). कवि अपने जीवन में किसी के प्रति किए गए प्रेमभाव को जग जाहिर नहीं करना चाहता था। वह नहीं चाहता था किजिस प्रेम के सुख को उसने पाया ही नहीं और जिसका केवल सपना-भर देखा उसे दूसरों के सामने प्रकट करे। वह प्रेम तो उसकी स्मृतियों का सहारा था जो उसे जीने की प्रेरणा देता था।

(ख) . कमल के पत्ते और तेल की गगरी से।

प्रश्न- 9 क्षितिज (गद्य -खंड) के आधार पर निम्नलिखिबहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

क (i) पानवाले
1
ख (i) कार्तिक 1
ग़ (ii) बीमारी
1
घ (iii) कनफटी 1
ड़ (ii) भानपुरा 1
च. (ii) दक्षिण 1
छ (i) सभ्य
1

प्रश्न- 10. गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर (5)

(i) पाठ -बालगोबिन भगत , लेखक -रामवृक्षबेनीपुरी 1
(ii) रोपनी का काम
1
(iii) बच्चे मिट्टी में उछल रहे थे और औरतें नाश्ता लेकर मेड़ पर बैठी थी। 1
(iv) आषाढ़ के महीने का
1
(v) सभी के हृदय पर गहरा प्रभाव पड़ रहा था,
1

प्रश्न-11 लेखक/लेखिका परिचय 5

क) जीवन परिचय 1
ख) प्रमुख रचनाएँ 1
ग) साहित्यिक विशेषताएँ 1½

घ)   भाषा -शैली

1½

प्रश्न- 12. प्रश्नों के उत्तर

2+2 =4 अंक

(क) पान वाला हमेशा पान चबाते रहता था उसकी बड़ी सी तोंद थी ।वह रसिक स्वभाव का था उसकी बातों में व्यंग्य का भाव झलकता था ।वह एक स्वार्थी किस्म का व्यक्ति था लेकिन बात का धनी था।

(ख) लेखिका मन्नू भंडारी के पिता को कॉलेजप्रिंसिपल ने कॉलेज में बुलाया कि क्यों ना लेखिका के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई हो तो पिताजी गुस्से में भरकर कॉलेज गए इस बात से लेखिका डर गई और पड़ोस में जाकर बैठ गई लेकिन पिताजी जब कॉलेज से वापस आए तो वे बहुत खुश थे उन्होंने कहा कि लड़कियों पर इसका कितना रोब है यह सुनकर के लेखिका को न अपने कानों पर विश्वास हुआ न आंखों पर।

खंड – घ (कृतिका भाग -2)

प्रश्न-13. कृतिका भाग -2 के आधार पर तीन प्रश्नों के उत्तर

3+2+2=7   3+2+2=7अंक

माता का आंचल पाठ का शीर्षक उपयुक्त नहीं है क्योंकि यह पाठ के अंतिम भाग पर लागू होता है संपूर्ण पाठ में पिता और पुत्र के संबंधों का उल्लेख किया गया है। माता के साथ तो केवल एक घटना आई है जब बच्चा मां के आंचल में छुप जाता है ऐसा संभव नहीं क्योंकि पिता केवल पिता ही नहीं बालक का अच्छा मित्र भी है ।इस पाठ का अन्य शीर्षक भी हो सकता है मेरा बचपन, मेरा शैशव काल आदि

अथवा

- उत्तर:- गंतोक को मेहनतकश बादशाहों का शहर इसलिए कहा गया है क्योंकि यहां के लोग बहुत
- मेहनत करते हैं और अपनी जीविका कमाने के लिए संघर्ष करते हैं, भले उनके पास
- संसाधन कमहो ।गंतोककी भौगोलिक स्थिति और आर्थिक गतिविधियों के कारण लोगों
- को अपनी आजीविका चलाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है।

(ख) प्रकृति अपने हर कार्य की व्यवस्था अपने ढंग से करती है जल संचय की व्यवस्था भी अत्यंत रोचक है सर्दियों में बर्फ के रूप में जल एकत्रित होता है और गर्मियों में बर्फ रूपी जल पिंघलकर जलधारा बनकर बहने लगता है जिसे प्राप्त करके लोग अपनी प्यास बुझाते हैं।

(ग) 'मैं क्यों लिखता हूँ?' अज्ञेय जी का एक प्रसिद्ध निबंध है.लेखक ने इस निबंध में बताया है कि लेखक की भीतरी विवशता ही उसे लिखने के लिए मजबूर करती है और लिखकर ही लेखक उससे मुक्त हो पाता है। प्रत्यक्ष अनुभव जब अनुभूति का रूप धारण करता है, तभी रचना पैदा होती है। अनुभव के बिना अनुभूति नहीं होती, परंतु यह आवश्यक नहीं है कि हर अनुभव अनुभूति बने । लेखक ने अपने द्वारा रचित 'हिरोशिमा' कविता की रचना का उदाहरण देते हुए स्पष्ट किया है कि अनुभव जब भाव - जगत् और संवेदना का हिस्सा बनता है, तभी वह कलात्मक अनुभूति में रूपांतरित होता है।

खंड –ङ आदर्श जीवन मूल्य मध्यमा।

2+2+2+2=8अंक

प्रश्न .14 (क) मनुष्य की श्रेष्ठता कैसे आंकी जा सकती है? मनुष्य की श्रेष्ठता उसकी सफलता से आंकी जा सकती.है। मनुष्य धर्म अर्थात नीति , न्याय, सद्गुण, परहित की मानवता के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त करे। । वह अपने कार्य में सफल हो यही उसकी श्रेष्ठता है।

(ख) इस संसार में ज्ञान के समान पवित्र करने वाला निश्चय ही कुछ भी नहीं है। योग-सिद्ध व्यक्ति (पवित्र अन्तःकरण होने पर) स्वयं ही इसको आत्मा में पा लेता है। इस ज्ञान की तलाश में मनुष्य आदिकाल से ही रहा है। यह आवश्यक नहीं कि यह ज्ञान हमें बड़ों से ही प्राप्त हो। यदि हमें अपने छोटों से भी ज्ञान मिले तो उसे प्राप्त

करने में संकोच नहीं करना चाहिए। ऐसी ही एक कथा है, जिसमें महाराजा जनक छोटे-से निशक्त (दिव्यांग) बालक अष्टावक्र से ज्ञान प्राप्त करते हैं।

(ग) उत्साहपूर्वक जीवन जीने से हमें यह लाभ मिलता है कि हम जीवन के हर क्षेत्र में उन्नति कर सकते हैं; चाहे पढ़ाई में अधिक अंक लाने की बात हो, किसी परीक्षा की तैयारी की बात हो अथवा अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की बात हो या अन्य कोई भी कार्य हो। यदि हम उसे उत्साह से करेंगे तो हमें उसमें अवश्य ही सफलता मिलेगी। प्रत्येक कार्य में सफलता के लिए उत्साह का होना अति आवश्यक है। अतः हमें प्रत्येक कार्य उत्साहपूर्वव करना चाहिए।

(घ) बिजली का उत्पादन करने से उन्हें क्या लाभ मिल का उत्पादन करने से उन्हें यह लाभ मिला कि अपनी कंपनी के लिए पर्याप्त बिजली मिलने लगी। इसके साथ ही उन्होंने 4.5 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाकर अन्य कंपनियों को भी गैस बेचकर उनकी ईंधन की समस्या का समाधान किया। आज यहाँ पर लगभग 2000 यूनिट बिजली का उत्पादन होता है।

(ङ)एकलव्य ने स्वयं-शिक्षा और गुरु के प्रति अटूट समर्पण से धनुर्विद्या सीखी थी।